

खबर संक्षेप

मॉडिफाई साइलेंसर और नंबर प्लेट पर नागौद पुलिस की कार्रवाई

सतना। नागौद थाना प्रभारी मनोज सोनी के नेतृत्व में पुलिस ने कस्बा भ्रमण के दौरान दो बुलेट पकड़ीं। इनमें मॉडिफाई साइलेंसर लगे थे और नंबर प्लेट भी मानकों के अनुसार नहीं थी। पुलिस ने बुलेट जब्त कर साइलेंसर निकलवाए और चालान काटकर वाहन चालकों को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

संघ कार्यालय चोरी

मामले में आरोपी

गिरफ्तार, भेजा गया जेल

सतना। उच्चेरा स्थित आरएसएस कार्यालय में ताला तोड़कर गैस सिलेंडर, बर्तन और एलईडी लाइट चुराने वाले आरोपी पवन कुमार ताम्रकार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसपी हंसराज सिंह के निर्देशन में उच्चेरा पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर सामान बरामद किया और न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भेज दिया।

पाथरकछार में

नवविवाहिता ने लगाई

फांसी, पुलिस जांच में जुटी

सतना। बरौंथा थाना क्षेत्र के पाथरकछार गांव में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कार्यपालिक मजिस्ट्रेट व तहसीलदार डॉ.सुदामा प्रसाद और बरौंथा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को कब्जे में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मैहर में खाद से लदा ट्रैक्टर पुल के पास पलटा, 17 वर्षीय किशोर की मौत: एक गंभीर, सतना रेफर



मैहर। जिले के नादन थाना क्षेत्र अंतर्गत जरमोहरा के खरवाही पुल पर मंगलवार सुबह खाद से लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को ग्रामीणों की मदद से उपचार के लिए ऊंचेहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने 17 वर्षीय उमेश दाहिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे घायल आनंद केवट की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल सतना रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम भटगंवा निवासी आनंद केवट पिता रामलखन केवट और उमेश दाहिया पिता मुन्ना दाहिया, उम्र 17 वर्ष ट्रैक्टर में खाद लोड कर खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जरमोहरा स्थित खरवाही

पुल के पास अचानक सामने से एक व्यक्ति आ गया। उसे बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर चालक ने वाहन को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरा और पलट गया। हादसे के बाद मौके पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल दोनों घायलों को ट्रैक्टर से बाहर निकाला और ऊंचेहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उमेश दाहिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं आनंद केवट को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जिला अस्पताल सतना रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे में ट्रैक्टर भी क्षतिग्रस्त हुआ है। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

बाढ़ प्रभावित गांवों में प्रिज्म जॉनसन ने लगाए तीन दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर



सतना। हाल ही में हुई भारी वर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित चित्रकूट क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड मनकहरी द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के अंतर्गत दीनदयाल रिसर्च इंस्टीट्यूट (डीआरआई), चित्रकूट

के सहयोग से तीन दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा राहत शिविरों का आयोजन किया गया।

शिविरों का आयोजन 8 से 10 सितंबर 2026 तक बाढ़ प्रभावित पिंडरा, कठारा एवं केलहोरा गांवों में किया गया। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के प्रेसीडेंट एच आरएमएंड कापीरेट अफेयर्स एवं प्रेसीडेंट कापीरेट एचआर डॉ.मनीष कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य बाढ़ के कारण प्रभावित

तीन गांवों में 534 मरीजों की जांच, निःशुल्क परामर्श एवं दवाइयां वितरित

ग्रामीणों को उनके गांव में ही तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। तीन दिनों के दौरान कुल 534 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श किया गया। 8 सितंबर को पिंडरा में 130, 9 सितंबर को कठारा में 140 तथा 10 सितंबर को केलहोरा में 264 मरीजों ने चिकित्सा शिविर का लाभ लिया। शिविरों में मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं विभिन्न सामान्य बीमारियों का उपचार किया गया। मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। बाढ़ के कारण आवागमन प्रभावित होने की स्थिति में गांवों में ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होने से ग्रामीणों को काफी राहत मिली। चिकित्सा शिविर में डॉ.राजेंद्र कुमार, मेडिकल ऑफिसर, विजय सिंह, नर्सिंग असिस्टेंट, देवेंद्र मिश्रा, डिप्टी जनरल मैनेजर सीएसआर तथा प्रकाश पाण्डेय ने सेवाएं प्रदान कीं। शिविरों के लिए आवश्यक दवाइयों एवं चिकित्सा सामग्री के साथ एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस चिकित्सा राहत



अभियान में दीनदयाल रिसर्च इंस्टीट्यूट, चित्रकूट का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। संस्थान की ओर से अभय महाजन, बसंत पंडित एवं डॉ. अनिल जायसवाल सहित अन्य प्रतिनिधियों ने स्थानीय समन्वय एवं शिविरों के संचालन में सहयोग प्रदान किया। चिकित्सा शिविरों का निरीक्षण सतना के महापौर योगेश

ताम्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष रुपानी तथा डीआरआई के प्रतिनिधियों ने भी किया। उन्होंने चिकित्सा टीम से जानकारी ली तथा बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की यह पहल प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित समुदायों के साथ खड़े रहने तथा

आवश्यकता-आधारित स्वास्थ्य एवं सामुदायिक सहायता उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कंपनी द्वारा बाढ़ प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे पहुंचकर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने से स्थानीय समुदायों को आपातकालीन परिस्थिति में तत्काल स्वास्थ्य सहायता मिल सकी।



जिला अस्पताल के कंपाउंडर से 40 हजार रुपये पार

सतना। शहर के सिमरिया चौक स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा के बाहर ठगों ने चालाकी से जिला

अस्पताल में पदस्थ एक कंपाउंडर को

अपनी ठगी का शिकार बना लिया।

चार अज्ञात बदमाशों ने नई गाड़ी खरीदने की खुशी में चाय पिलाने का झांसा दिया और कार में बैठकर 40 हजार रुपये की चपत लगा दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



नई गाड़ी का दिया झांसा

जानकारी के अनुसार, जिला अस्पताल में पदस्थ कंपाउंडर बैंक से रुपये निकालकर बाहर निकले थे। तभी कार सवार चार अज्ञात युवकों ने उनसे जान-पहचान जताते हुए रोका। आरोपियों ने कहा, हमने नई गाड़ी खरीदी है, इस खुशी में हमारे साथ चाय पी लीजिए। कंपाउंडर ने पहले तो मना किया, लेकिन आरोपियों के जबरदस्ती करने पर वे उनकी चार पहिया गाड़ी में बैठ गए।

चाय की चुस्की के बीच हाथ साफ

गाड़ी के अंदर बातचीत के दौरान ही आरोपियों ने बेहद सफाई से कंपाउंडर की जेब में रखे 40 हजार

रुपये पार कर दिए। कुछ देर बाद जब कंपाउंडर गाड़ी से नीचे उतरे और आरोपियों ने कार बागाह की ओर दौड़ा दी, तब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। जब टटोलने पर उनके होश उड़ गए।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पीड़ित कंपाउंडर ने तुरंत घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस थाने में दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस बैंक के बाहर मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि संदिग्ध वाहन और आरोपियों की पहचान की जा सके।

गांव-गांव खुले अवैध शराब के टेके, शासन-प्रशासन बेखबर

सतना। मझगांव क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार चरम पर पहुंच चुका है। स्थानीय शराब ठेकेदार द्वारा नियमों को ताक पर रखकर गांव-गांव में शराब की दुकानें खुलवा दी गई हैं। बिना किसी भय के चल रहे इस काले कारोबार से ग्रामीण बेहद आक्रोशित हैं, लेकिन जिम्मेदार शासन और प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मुख्य दुकान के अलावा ठेकेदार के परिदे हर छोटे-बड़े गांव में खुलेआम अवैध शराब पहुंचा रहे हैं। चाय की दुकानों, किराना किराना स्टोर्स और रिहाइशी इलाकों में अवैध पैकारियां खोल दी गई हैं। इसके कारण गांवों का माहौल पूरी तरह से खराब हो गया है। शाम ढलते ही शराबियों का जमावड़ा लगाने से महिलाओं और बेटियों का घर से निकलना दुम्बर हो गया है। ग्रामीणों का कहना है



कि वे इस समस्या को लेकर कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ठेकेदार की यह कारगुजारी सीधे तौर पर आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस-प्रशासन

को खुली चुनौती दे रही है। यदि जल्द ही इन अवैध पैकारियों को बंद कर ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र की जनता सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

धवारी में श्रद्धा और उत्साह से मनाई गई महर्षि कश्यप जयंती

सतना। श्री कसौधन वैश्य समाज (धवारी इकाई क्रमांक 4) के तत्वावधान में मंगलवार को साईं बाबा मंदिर प्रांगण, धवारी में महर्षि कश्यप जयंती श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि कश्यप के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुई। इस अवसर पर समाज के वक्ताओं ने महर्षि कश्यप ऋषि के आदर्शों, जीवन मूल्यों और सनातन परंपरा में उनके योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि



महर्षि कश्यप के आदर्श समाज को संस्कार, सद्भाव और सेवा की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में सामाजिक बंधुओं ने आपसी

सहयोग और सामाजिक एकता का संकल्प लिया। आयोजन में संरक्षक कमलेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता, वरिष्ठ मंत्री अशोक

गुप्ता, संगठन मंत्री राम फल गुप्ता, धवारी इकाई अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, महामंत्री विकास गुप्ता, कोषाध्यक्ष विनीत गुप्ता, संगठन



10 हजार दीपों से सजाया जाएगा वेंकटेश लोक



की व्यवस्थाओं तथा आयोजन से जुड़ी अन्य तैयारियों का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं गरिमायुक्त ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए गए। 17 सितंबर को सायं 7 बजे आयोजित होने वाला "आशीर्वाद का दीया" कार्यक्रम सेवा एवं जनकल्याण के प्रति आभार और मंगल कामना की सामूहिक अभिव्यक्ति बनेगा।

सतना। सतना सेवा, समर्पण एवं

जनकल्याण के 25 वर्षों के अवसर पर 17 सितंबर को वेंकटेश लोक में "आशीर्वाद का दीया" कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन के लिए वेंकटेश लोक को 10 हजार दीपों से सजाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों का सांसद गणेश सिंह, महापौर योगेश कुमार ताम्रकार एवं आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान दीपों की सजावट, कार्यक्रम स्थल

कांग्रेस ने घोषित की नई बस्ती हनुमान ब्लॉक की 22 सदस्यीय कार्यकारिणी, अजय बहादुर बने अध्यक्ष

सतना। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमिटी शहर सतना के अध्यक्ष आरिफ इकबाल सिद्दीकी ने नई बस्ती हनुमान ब्लॉक की 22 सदस्यीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। शहर प्रवक्ता अमित गोयल द्वारा जारी सूची के अनुसार अजय बहादुर सिंह (मोहन सिंह) को ब्लॉक अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। संगठन को मजबूती देने के लिए गठित इस टीम में ब्लॉक महामंत्री प्रमोद शर्मा, कोषाध्यक्ष राजीव पाठक, उपाध्यक्ष दामोदर डोहर, ओमप्रकाश गुप्ता महासचिव आफताब आलम, राजेन्द्र सिंह, गिरीश तोलवानी, संतोष कुशवाहा, अशोक सिंह, मंगल विश्वकर्मा, राजकुमार कुशवाहा, सचिव विजय गुप्ता, दिनेश विश्वकर्मा, संतोष द्विवेदी, प्रतिभा झा, विजय लक्ष्मी सिंह, धर्मेन्द्र चतुर्वेदी, गुरु प्रसाद कुशवाहा, राकेश रैकवार, मीडिया व सोशल मीडिया प्रभारी: इंजी. महेन्द्र कुशवाहा (मीडिया) और बाल गोविन्द पाल (सोशल मीडिया)। सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा और शहर अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं ने नवनि्युक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

11 केवी लाइन पर काम करते समय करंट लगने से मेटेनैस हेल्पर की मौत, तीन माह पहले हुई थी शादी



छतरपुर। बिजली विभाग में मेटेनैस हेल्पर के पद पर कार्यरत संतोष अनुरागी पिता लालाराम, उम्र 30 वर्ष, निवासी अमानगंज मोहल्ला की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना सोमवार रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है। संतोष 11 केवी लाइन पर काम कर रहे थे, जबकि उसी स्थान से 33 केवी लाइन भी निकली हुई थी। बताया गया कि 11 केवी लाइन बंद थी, लेकिन 33 केवी लाइन चालू होने के कारण संतोष करंट की चपेट में आ गए।मंगलवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना के बाद परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मृतक के बड़े भाई ने बताया कि रामलाल अनुरागी के कहने पर संतोष खंभे पर चढ़कर काम करने गए थे, लेकिन बिजली सप्लाई पूरी तरह बंद नहीं की गई थी। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद अभी तक बिजली विभाग का कोई अधिकारी उनके घर नहीं पहुंचा है। पीड़ित परिवार ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। पीड़ित ने बताया कि उसके भाई की अभी तीन माह पहले ही शादी हुई थी।

मिट्टी की नक्काशी शिल्प में 30 हितग्राहियों को मिलेगा कौशल विकास प्रशिक्षण

छतरपुर। भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में हस्तशिल्प क्षेत्र में कौशल विकास के लिए गुरू-शिष्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। योजनांतर्गत क्रियान्वयन एजेंसी म.प्र. माटीकला बोर्ड के माध्यम से जिले के सामान्य श्रेणी के 30 हितग्राहियों को क्ले डिजाइनिंग क्राफ्ट शिल्प में कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। प्रशिक्षण की अवधि लगभग दो माह होगी तथा प्रशिक्षण स्थानीय स्तर पर ही प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को नियमानुसार 300 रुपये प्रतिदिन स्टायपेंड देय होगा। योजनांतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक सामान्य वर्ग के हितग्राही अधिक ऐसी शर्तों पर आवेदन प्रस्तुत करने के लिए म.प्र. माटीकला बोर्ड के जिला कार्यालय, जिला पंचायत कार्यालय, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 5.55 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

छतरपुर। म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा छतरपुर जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित 11 लोगों को बेहतर उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से कुल 5.55 लाख रुपए की स्वीकृत की गई है। हितग्राही मास्टर आयुष पटेल पिता नरेन्द्र पटेल निवासी टेढ़ीकावरी गौरिहार, अरविंद कुशवाहा पिता हरकिशुन कुशवाहा निवासी वार्ड नं. 15 नौगांव एवं हरगोविंद चौरसिया पिता किशोरीलाल चौरसिया वार्ड नं. 3 छतरपुर को 65-65 हजार रुपए, चम्पाबाई कुशवाहा पति बादशाह कुशवाहा अनगौर बकसीपुरवा, हरप्रसाद प्रजापति शंकर प्रजापति ग्राम पंचायत नंदगांव कलां, फुलिथा अहिंवार पति सुकुल अहिंवार वार्ड नं. 15 घुरा एवं उषा सिंग ठाकुर पति धीरज सिंह ठाकुर ग्राम पंचमपुर को 50-50 हजार रुपए, दीपेन्द्र सिंह लोधी चतुर सिंह लोधी सैदारा बिजावार, कुमारी गुंजन सेन पिता कैलाश सेन निवासी सेंवर बड़ामलहरा एवं कु. कुमकुम विश्वकर्मा पिता नंदकिशोर निवासी खजवा राजनगर को 45-45 हजार रुपए एवं दुनारी पति छिनु निवासी वार्ड नं. 5 बरवाहा जिला छतरपुर को 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

छतरपुर , नौगांव, महाराजपुर, खजुराहो, लवकुशनगर, गौरिहार, बक्सवाहा

हरिभूमि

9

कलेक्टर कार्यालय में किया प्रदर्शन, दी कलमबंद हड़ताल की चेतावनी

स्वामित्व योजना के कार्यों से मुक्त करने की मांग को लेकर पटवारियों ने खोला मोर्चा



छतरपुर। मध्य प्रदेश शासन द्वारा लागू की गई स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना के तहत अतिरिक्त कार्यभार सौंपे जाने से नाराज पटवारियों का गुस्सा अब सड़कों पर देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश पटवारी संघ जिला शाखा छतरपुर के आह्वान पर दर्जनों पटवारियों ने एकजुट होकर रैली निकाली और कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। पटवारियों का प्रदर्शन नए नियमों के विरोध में था, जिसके तहत आबादी भूमि के पंजीयन और निष्पादन प्रक्रिया में पटवारियों को निष्पादक बनाया गया है। कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे पटवारियों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर इस योजना के निष्पादन, ई-केवाईसी और पंजीयन से जुड़े समस्त व्यक्तिगत दायित्व वाले कार्यों से पटवारी संवर्ग को पूर्णतः पृथक् रखे जाने की मांग की है। मप्र पटवारी संघ संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष हारून अहमद का कहना है कि जब शासन के पास पृथक से पंजीयन विभाग मौजूद है, तो राजस्व विभाग के मैदानी कर्मचारियों पर इस तरह का अतिरिक्त प्रशासनिक व कानूनी बोझ डालना पूरी

तरह से अनुचित है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्रामीण आबादी क्षेत्र का भू-स्वरूप सामान्य कृषि भूमि से अलग होता है और पंचायत राज व्यवस्था के तहत सर्वेक्षण का कार्य पंचायत विभाग का है। पटवारियों को निष्पादक बनाए जाने से

भविष्य में सीमा, क्षेत्रफल, मालिकाना हक या किसी भी लिपकीय त्रुटि के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से कानूनी विवादों के लिए उत्तरदायी ठहराए जाने की आशंका बनी रहेगी। इसके अलावा, किसान हितैषी फार्मर आईडी और जियो-टैग गिरदावरी में आ रही तकनीकी खामियों के कारण भी पटवारियों पर मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। पटवारी संघ ने स्पष्ट किया है कि वे पूर्व से लंबित अपनी ग्रेड-पे, वेतन विसंगति और कैडर रिव्यू जैसी मूल मांगों के निराकरण न होने से पहले से ही असंतुष्ट हैं। ऐसे में नई योजनाओं का अतिरिक्त कार्य लादे जाने से मैदानी स्तर पर काम करना नामुमकिन होता जा रहा है। पटवारियों ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उन्हें आबादी पंजीयन एवं निष्पादन योजना से तत्काल विरत नहीं किया गया और शासन स्तर से अनावश्यक दबाव बनाया गया, तो पूरे प्रदेश के 55 जिलों के पटवारी आने वाले दिनों में पूर्णतः काम बंद कर कलमबंद हड़ताल करने पर मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

खसरा नंबर 612 को आबादी घोषित करने की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा आवेदन

छतरपुर। ग्राम ब्रजपुरा के समस्त ग्रामीणों ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को लिखित आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने मांग की है कि गांव के खसरा नंबर 612 को जल्द से जल्द आबादी भूमि घोषित किया जाए, ताकि इस भूमि पर वर्षों से रह रहे परिवारों को उनके मकानों का मालिकाना हक मिल सके। ग्रामीण बट्टी रजक एवं जगदीश अनुरागी के अनुसार फोरलेन

सड़क निकलने के कारण ग्राम ब्रजपुरा दो हिस्सों में बंट गया है। इस स्थिति को देखते हुए पटवारी रोहित शुक्ला द्वारा दो अलग-अलग खसरा नंबरों की दो फाइलें तैयार की गई थीं। ग्रामीणों का कहना है कि इनमें से एक फाइल को कलेक्टर द्वारा आबादी भूमि घोषित किया जा चुका है। वहीं, खसरा नंबर 612 से संबंधित दूसरी फाइल अब भी कलेक्टर कार्यालय में लंबित बताई जा रही

है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन अभी तक खसरा नंबर 612 को आबादी घोषित नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मामले में शीघ्र कार्रवाई कर खसरा नंबर 612 को आबादी भूमि घोषित करने की मांग की है, जिससे प्रभावित परिवारों को उनके मकानों का वैधानिक मालिकाना हक मिल सके।

विश्वविद्यालय की अनियमितताओं को लेकर ढोल नगाड़ों के साथ प्रदर्शन, 9 सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में छात्र हितों और कथित अनियमितताओं को लेकर युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं तथा छात्रों ने ढोल-नगाड़े बजाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु राकेश सिंह कुशवाह को 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर छात्र हित में आवश्यक सुधार करने की मांग की।

युवा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर्स की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि यहां करीब 120 प्रोफेसर्स की आवश्यकता है, वहीं

लगभग 50 प्रोफेसर्स की ही भर्ती की गई है और करीब 70 पुराने प्रोफेसर्स को हटा दिया गया है। ज्ञापन में प्रथम पर्व के विद्यार्थियों के आईडी कार्ड बनाने, छात्र-छात्राओं के लिए परिवहन किराया कम कराने हेतु आरटीओ को पत्र जारी करने

वर्मा, राजवर्धन मिश्रा, भरत सहित बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे। वहीं कुलगुरु राकेश सिंह कुशवाह ने कहा कि ज्ञापन में बताई गई आधे से अधिक समस्याएं विश्वविद्यालय में हैं ही नहीं। हालांकि ज्ञापन प्राप्त हुआ है, इसलिए मांगों पर दोबारा विचार किया जाएगा। उन्होंने प्रोफेसर्स की भर्ती को लेकर कहा कि कुछ नियुक्तियां केवल आमंत्रित सदस्यों की हैं, जबकि अन्य भर्ती नियमानुसार की गई है। भर्ती प्रक्रिया को लेकर कुछ लोग न्यायालय भी गए हैं और विश्वविद्यालय की ओर से 8-10 दिन में न्यायालय को पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

छतरपुर। जिले के ग्राम पठापुर में एक अनपढ़ और गरीब किसान की पेटकृषि भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने आरोप लगाया है कि पठापुर के हक्का पटवारी अपने रिश्तेदारों से साठगांठ कर उसकी जमीन पर जबरन कब्जा करवाने की फिराक में हैं। मामले से परेशान किसान ने जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक छतरपुर को शिकायती आवेदन सौंपकर अपनी कृषि भूमि की शालीपूर्ण ढंग से जुताई कराने, पटवारी को परेशान करने से रोकने और उसका तत्काल स्थानांतरण किए जाने की मांग की है। शिकायती आवेदन के अनुसार, ग्राम पठापुर में कुल 4.969 हेक्टेयर किसान की पेटकृषि भूमि है, जिसका वह वैधानिक स्वामी और अधिपत्यधार है। पीड़ित

का कहना है कि 4 जुलाई 2026 को जब वह अपने खेत की ट्रैक्टर से जुताई करवा रहा था, तभी सरहद्दी काश्तकार शिवनारायण दुबे, प्रवीण उर्फ लब्डी दुबे और मनोष उर्फ सोनू दुबे एकराय होकर आए और गाली-गलौज करते हुए ट्रैक्टर ड्राइवर को मगा दिया। विरोध करने

पर आरोपियों ने किसान और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। किसान ने बताया कि इस समय खेती-किसानी का सीजन चल रहा है और खेती ही उसके जीवन धारण का एकमात्र सहारा है। यदि वह अपने खेत की जुताई-बुआई नहीं कर पाएगा, तो उसके परिवार के सामने भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। इससे पहले भी 6 जुलाई को ओरछा रोड थाना प्रभारी, 7 जुलाई को जनसुनवाई में कलेक्टर व एसपी तथा 21 जुलाई को पुनः जनसुनवाई में शिकायती आवेदन दिए गए थे, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ। लगातार चक्कर काटने के बाद भी न्याय न मिलाने पर पीड़ित किसान ने एक बार फिर एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।

शराब के कारण घरों में बढ़े विवाद, पति छोड़ मायके जा रहीं महिलाएं

शराबवर्दी की मांग को लेकर कुपी गांव की

दर्जनों महिलाएं पहुंची एसपी कार्यालय

छतरपुर। किशनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कुपी की दर्जनों महिलाओं ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर गांव में शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। महिलाओं ने एसपी के नाम आवेदन सौंपकर अवैध शराब बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। महिलाओं का आरोप है कि गांव में शराब की बिक्री के कारण कई परिवार आर्थिक और सामाजिक संकट से जूझ रहे हैं। उनका कहना है कि परिवार के पुरुष दिनभर मजदूरी कर करीब

500 रुपये कमाते हैं, लेकिन शाम को अपनी मेहनत की कमाई शराब में खर्च कर देते हैं। नशे की हालत में घर लौटने के बाद पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों से विवाद तथा मारपीट की स्थिति बनती है। महिलाओं के अनुसार शराब की लत के

कारण गांव में घरेलू विवाद लगातार बढ़ रहे हैं। कई परिवारों में पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया है कि कुछ महिलाएं पति और ससुराल छोड़कर मायके जाने को मजबूर हो रही हैं। इससे परिवारों का माहौल खराब होने के साथ बच्चों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। महिलाओं ने पुलिस प्रशासन से गांव में शराब की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने और अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। महिलाओं का कहना है कि शराब की बिक्री बंद होने से परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधरने के साथ घरेलू विवादों में भी कमी आ सकती है।

फर्जी केस में फंसाने का आरोप, एम्बुलेंस ड्राइवर ने एसपी से लगाई निष्पक्ष जांच की गुहार

छतरपुर। जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस

सेवा में कार्यरत ड्राइवर रामगोपाल पाल ने जिला प्रभारी और वेंडर पर मिलीभगत कर उसे सड़क हादसे के मामले में कथित रूप से फंसाने का आरोप लगाया है। रामगोपाल ने मंगलवार को छतरपुर एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायती आवेदन सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। शिकायतकर्ता के अनुसार, 17 दिसंबर 2025 को वह ड्यूटी पर नहीं था और अपने घर पर मौजूद था। आरोप है कि उसकी अनुपस्थिति में जिला प्रभारी

ने राघवेंद्र पाल नामक व्यक्ति को एम्बुलेंस लेकर भेजा, जिसके दौरान महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुश्राम में दुर्घटना हो गई। इस मामले में महाराजपुर थाने में अपराध

दर्ज किया गया। रामगोपाल का आरोप है कि दुर्घटना के बाद असली चालचल का नाम छिपाकर दस्तावेजों में उसे वाहन चालक दर्शा दिया गया। उसका कहना है कि घटना के

समय वह मौके पर मौजूद ही नहीं था। उसने पहले 5 सितंबर 2026 को एसडीओपी खजुराहो को भी शिकायत दी थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने एसपी से मामले की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी से कराने, दुर्घटना के समय वाहन चला रहे वास्तविक व्यक्ति की पहचान कर कार्रवाई करने और उसे फर्जी मामले से राहत दिलाने की मांग की है। मामले में लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

इंजीनियरिंग कॉलेज में उत्साहपूर्वक मनाया गया इंजीनियर्स डे

रीवा । इंजीनियरिंग महाविद्यालय में भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की जयंती के अवसर पर इंजीनियर्स डे उत्साह एवं हरिमासय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.पी. तिवारी ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के पूर्व छात्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । इंजीी. राजेन्द्र शर्मा मैनेजिंग डायरेक्टर, शिल्पी इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, इंजी रजनीश कुमार युवा मैनेजिंग डायरेक्टर, ग्लोबल इन्वेस्टमेंट, आरइसी ग्लोबल एलुमनी एसोसिएशन की ओर से आर्किटेक्ट सिद्धार्थ सिंह,इंजी रविशंकर पांडेय, एवं डॉ. दया शंकर पांडेय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में स्थित सर स. विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। प्राचार्य डॉ. आर.पी. तिवारी ने अपने अध्यक्षीय उद्घरण में सर एम. विश्वेश्वरैया के जीवन से विद्यार्थियों को जिज्ञासा, कठिन कार्य करने की दृढ़ इच्छा, ईमानदारी एवं नवाचार को प्रेरणा देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि इंजी राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में इंजीनियरिंग का स्वरूप लगातार विकसित हो रहा है। आज इंजीनियरिंग केवल तकनीक के उपयोग तक सीमित नहीं, बल्कि समस्याओं को समझकर उनके प्रभावी समाधान खोजने की क्षमता विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से बदलती तकनीक एवं उपकरणों के अनुरूप स्वयं को निरंतर तैयार रखने का आह्वान किया। आर्किटेक्ट सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि वर्तमान परिवेश में इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों से इंसाने अवसरों का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। डीन छात्र कल्याण डॉ. संदीप पांडेय ने वर्ष 2026 के मेधावी विद्यार्थियों के नाम की उद्घोषणा की । 2026 बैच के कॉलेज टॉपर सम्मानित विद्यार्थियों में निशी तिवारी (इलेक्ट्रॉनिक्स), सौरभ मिश्रा (मैकेनिकल), जागृति सिंह (सिविल इंजीनियरिंग), भाव कुमार पांडेय (इलेक्ट्रिकल) एवं मुस्कान शाह (सोएसई) शामिल रहे। इंजी राजेन्द्र शर्मा शिल्पी इन्फ्रा द्वारा कॉलेज टॉपर निशी तिवारी को रुपये दस हजार तथा इंजी रजनीश कुमार गुप्ता ग्लोबल इन्वेस्टमेंट द्वारा कॉलेज के द्वितीय टॉपर सौरभ मिश्रा को पाँच हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। स्वागत उद्बोधन डीन अकादमिक डॉ डी के जैन तथा कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. अमर अगवाला द्वारा आभार ज्ञापन किया गया । समारोह का संचालन प्रो रजनीश चतुर्वेदी द्वारा किया गया । समारोह में अखिल भारतीय विथार्थ परिषद के विभाग संगठन मंत्री सतीश गुप्ता सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक , छात्र छात्रा, अभिभावक गण उपस्थित रहे ।

एक टोल नाका चालू, पांच बंद, रिग रोड पर लगा जाम तो भड़के विधायक

रीवा। शहर के रिग रोड पर टोल संचालन की व्यवस्था को लेकर सैनवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब छह टोल नाकों में से अधिकांश बंद मिले और वाहनों की आवाजाही महज एक नाके से कराई जा रही थी। एक ही टोल नाके पर वाहनों का दबाव बढ़ने से लंबी कतार लग गई। जाम में फंसे वाहन चालकों को परेशानी होती देख मौके से गुजर रहे मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल ने वाहन उन्चवाया और टोल प्रबंधन से जवाब-तकब किया।

बताया गया कि रिग रोड पर टोल संचालन का जिम्मा अग्रेह प्राइवेट लिमिटेड को मिला है। कंपनी को एमपीएचआरडीसी की ओर से टोल संचालन का टेंडर दिए जाने की जानकारी सामने आई है। मंगलवार को टोल परिसर में छह नाकों में से पांच पर बैरियर बंद होने और केवल एक नाके से वाहनों की आवाजाही कराए जाने के कारण स्थिति बिगड़ गई। देखते ही देखते वाहनों की कतार बढ़ती चली गई। इसी दौरान मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल वहां से गुजर रहे थे। टोल नाके पर वाहनों की लंबी कतार और अव्यवस्था देखकर उन्होंने अपना वाहन रुकवाया। विधायक सुरक्षकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और टोल प्रबंधन से स्थिति की जानकारी ली। विधायक ने टोल मैनेजर से सवाल किया कि जब कई टोल लेन उपलब्ध है तो उन्हें बंद रखकर केवल एक नाके से वाहनों को क्यों निकाला जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि टोल संचालन की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिससे वाहन चालकों को अनावश्यक इंतजार और जाम की स्थिति का सामना न करना पड़े। मौके पर वाहनों की बढ़ती कतार को देखते हुए विधायक ने टोल प्रबंधन को तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। इसके बाद बंद पड़े टोल नाकों को खुलवाया गया और वाहनों की आवाजाही को सामान्य करने की प्रक्रिया शुरू की गई। सभी नाके खुलने के बाद वाहनों को अलग-अलग लेन से निकालने की व्यवस्था की गई, जिससे जाम कम होने लगा।

कमरे पर दो घंटे बिताओ,किसी को पता नहीं चलेगा, चाकघाट सीएमओ का ऑडियो वायरल, कमिश्नर ने किया निलंबित

रीवा । महिला कंप्यूटर ऑपरेटर से कथित अशोभनीय बातचीत का ऑडियो वायरल होते ही प्रशासन में हड़कंप,कलेक्टर ने पहले एसडीएम से कराई जांच, रिपोर्ट में आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणितरीवा। जिले के चाकघाट नगर परिषद में पदस्थ प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी शंखधर पाण्डेय का महिला कंप्यूटर ऑपरेटर से कथित रूप से आपत्तिजनक बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामला सामने आते ही रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बिना महिला कर्मचारी की औपचारिक शिकायत का इंतजार किए प्रकरण को गंभीरता से लिया और त्योंथर एसडीएम से जांच कराई। जांच प्रतिवेदन में अधिकारी के खिलाफ महिला कर्मचारी से अनुचित, अमर्यादित एवं अशोभनीय बातचीत के आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए गए। इसके बाद कलेक्टर ने संभागीय कमिश्नर को अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा। प्रस्ताव पर कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने शंखधर पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। बता दे सोशल मीडिया पर वायरल कथित ऑडियो में प्रभारी सीएमओ और महिला कंप्यूटर ऑपरेटर के बीच बातचीत होने का दावा किया जा रहा है। बातचीत में अधिकारी द्वारा महिला

कर्मचारी को अपने कमरे पर आने और करीब दो घंटे साथ रहने के लिए दबाव बनाए जाने की बात सामने आई। ऑडियो में यह भी कथित रूप से कहा गया कि कमरे में साथ रहने की बात किसी को पता नहीं चलेगी। महिला कर्मचारी द्वारा कथित मांग का विरोध किए जाने पर नौकरी से हटाने जैसी बात कहे जाने का आरोप भी सामने आया है। ऑडियो वायरल होने के बाद मामला तेजी से चर्चा में आया और प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया। हालांकि, प्रशासन ने वायरल ऑडियो को ही अंतिम सत्य मानकर कार्रवाई करने के बजाय पूरे मामले की जांच कराई। प्रकरण में प्रशासन की सक्रियता इस बात से सामने आई कि महिला कर्मचारी की औपचारिक शिकायत आने से पहले ही कलेक्टर ने वायरल ऑडियो का संज्ञान लेकर जांच के निर्देश जारी कर दिए थे। कलेक्टर के निर्देश पर त्योंथर एसडीएम द्वारा मामले की जांच की गई। बाद में संबंधित महिला कर्मचारी ने भी सामने आकर लिखित शिकायत प्रस्तुत की।जांच के दौरान वायरल ऑडियो और सामने आए तथ्यों की पड़ताल की गई। एसडीएम के जांच प्रतिवेदन में शंखधर पाण्डेय के विरुद्ध कंप्यूटर ऑपरेटर महिला कर्मचारी से अनुचित, अमर्यादित एवं अत्यंत अशोभनीय वार्तालाप संबंधी आरोप प्रथम



दृष्टया प्रमाणित पाए गए।
जांच रिपोर्ट पहुंची कलेक्टर के पास, कमिश्नर को भेजा प्रस्ताव: एसडीएम की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कलेक्टर ने मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की। कलेक्टर की ओर से संभागीय कमिश्नर कार्यालय को निलंबन एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा गया। प्रशासनिक प्रतिवेदन में कहा गया कि संबंधित अधिकारी का कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 एवं 22(3) के विपरीत है तथा

सीईआरसी प्रतिनिधिमंडल ने किया एनटीपीसी विंध्याचल का दौरा, तकनीकी नवाचार और सामाजिक पहल की सराहना

सिंगरौली। एनटीपीसी केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (CERC) के चैयरपर्सन श्री जिष्णु बरुआ एवं सचिव श्री हरप्रीत सिंह प्रूथी ने 19 एवं 20 सितंबर 2026 को एनटीपीसी विंध्याचल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्युत उत्पादन के साथ-साथ स्टेशन द्वारा किए जा रहे तकनीकी नवाचार, सतत विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों का अवलोकन किया। सीईआरसी प्रतिनिधिमंडल ने एनटीपीसी विंध्याचल के व्यू प्वाइंट, स्टेज-III कंट्रोल रूम तथा कार्बन-टू-मेथनॉल सुविधा का भ्रमण किया। स्टेज-III कंट्रोल रूम में उन्होंने युवा अभियंताओं से संवाद कर उनके कार्यों एवं अनुभवों की जानकारी ली। कार्बन-टू-मेथनॉल परियोजना में किए जा रहे नवाचार एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी प्रतिनिधिमंडल ने सराहा। इस अवसर पर आयोजित एसएमसी बैठक में एनटीपीसी विंध्याचल की प्रमुख उपलब्धियों, उत्कृष्ट कार्यभणारियों, सतत राख उपयोग, राख प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों, सीएसआर गतिविधियों तथा स्टेशन द्वारा प्राप्त विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों



एवं सम्मानों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) एवं श्रीमती रूमा दे शर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। दौरे के दौरान सीईआरसी नेतृत्व ने एनटीपीसी विंध्याचल की सीएसआर पहलों के अंतर्गत किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों में भी सहभागिता की। 13 सितंबर 2026 को

श्री जिष्णु बरुआ एवं श्री हरप्रीत सिंह प्रूथी, श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) एवं श्रीमती रूमा दे शर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) की उपस्थिति में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC) एवं ओपन शेल्टर होम पहुंचे। यहां जरूरतमंद लाभार्थियों को श्रवण यंत्र, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर एवं स्टेशनरी किट वितरित किए गए। इसी क्रम में सूर्य भवन गेस्ट हाउस में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास, बलियरी की छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। इस पहल के छात्राओं को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ उनकी शिक्षा तक पहुंच को भी प्रोत्साहन मिलेगा।एनटीपीसी विंध्याचल की ये पहलें यह दर्शाती हैं कि ऊर्जा उत्पादन के साथ समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी संस्थान की प्राथमिकताओं में शामिल है। सीईआरसी नेतृत्व का दौरा विंध्याचल की तकनीकी क्षमता, नवाचार, पर्यावरणीय प्रतिबद्धता एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का परिचायक रहा।

पटवारियों ने स्वामित्व अधिकार योजना से अलग रखने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मऊगंज। मध्यप्रदेश पटवारी सर्वे, जिला मऊगंज ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर *स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026* योजना के क्रियान्वयन एवं पंजीयन संबंधी कार्यों से पटवारी सर्वर्ग को पूर्णतः पृथक् रखने की मांग की है। संघ का कहना है कि योजना ग्रामीणों को उनके अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके तहत पटवारियों को मूल राजस्व दायित्वों के अतिरिक्त नए तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यों में लगाया जाना उचित नहीं है।

ज्ञापन में कहा गया है कि स्वामित्व योजना के सर्वेक्षण एवं मानचित्रण में पटवारियों द्वारा पंचायत राज व्यवस्था के साथ सहयोगात्मक भूमिका निभाई गई है। संघ के अनुसार पटवारी की भूमिका मूलतः अभिलेखीय एवं मैदानी सहयोग तक सीमित है, इसलिए योजना के अंतिम निष्पादन में पटवारी को “निष्पादक” बनाए जाने के निर्णय पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

पटवारी को ‘निष्पादक’ बनाने पर जताई आपत्ति-संघ ने तर्क दिया कि यदि पटवारी को योजना में निष्पादक बनाया जाता है तो व्यक्तिगत कानूनी दायित्व बढ़ेंगे। ज्ञापन



में उल्लेख है कि स्वामित्व अधिकारों के निर्धारण एवं अंतिम सर्वेक्षण जैसे कार्य कई स्तरों पर संपन्न होते हैं और पटवारी स्वयं इन अधिकारों का स्वामी अथवा हस्तांतरणीय नहीं है। ऐसे में शासन स्तर से होने वाली प्रक्रिया का व्यक्तिगत दायित्व पटवारी पर डालना उचित नहीं होगा।

फार्मर आईडी और जियो टैग गिरदावरी को लेकर भी विरोध।- पटवारी संघ ने फार्मर आईडी को लेकर भी अपना पक्ष रखा है। संघ का दावा है कि मध्यप्रदेश के पटवारियों द्वारा निर्धारित समय में बड़ी संख्या

प्रथम दृष्टया गंभीर कदाचरण की श्रेणी में आता है। कलेक्टर के प्रतिवेदन और एसडीएम की जांच रिपोर्ट के आधार पर संभागीय कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने शंखधर पाण्डेय, राजस्व निरीक्षक एवं प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद चाकघाट को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।निलंबन की कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क), मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 86 और मध्यप्रदेश नगर पालिका सेवा (कार्यपालन) नियम, 1973 के नियम 36 के तहत की गई है।निलंबन अवधि में शंखधर पाण्डेय का मुख्यालय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, रीवा संभाग, रीवा निर्धारित किया गया है। आदेश के अनुसार उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता नहीं।

महिला सम्मान से समझौता नहीं: कलेक्टर ने मामले को गंभीर और शर्मनाक बताते हुए स्पष्ट किया कि सरकारी कार्यालयों में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा, गरिमा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यस्थल पर किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा महिला के साथ अनुचित व्यवहार किए जाने की शिकायत मिलने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पासपोर्ट के फेर में फंसे भगवानदास, रापथ पत्र में छिपाया आपराधिक रिकॉर्ड, पुलिस वैरिफिकेशन में खुली पोल

कोतवाली पुलिस ने घोखाघड़ी और पासपोर्ट अधिनियम के तहत दर्ज कि एकआईआर

रीवा। पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन करते समय आपराधिक रिकॉर्ड की सही जानकारी छिपाना आवेदक को भारी पड़ सकता है। ऐसा ही मामला रीवा शहर में सामने आया है, जहां पासपोर्ट आवेदन के साथ प्रस्तुत रापथ पत्र में कथित तौर पर आपराधिक रिकॉर्ड छिपाने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने भगवानदास लालवानी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक आवेदक ने रापथ पत्र में अपने खिलाफ किसी थाने अथवा व्या्यालय में आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं होने की जानकारी दी थी, जबकि पुलिस सत्यापन के दौरान उसका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया। पुलिस के अनुसार पाण्डेज टोला निवासी भगवानदास लालवानी ने 16 जुलाई को पासपोर्ट बनवाने के लिए पासपोर्ट कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन प्रक्रिया के तहत आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदक की ओर से रापथ पत्र भी प्रस्तुत किया गया था। इसमें कथित तौर पर यह उल्लेख किया गया कि उसके खिलाफ किसी भी थाने या व्या्यालय में कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है और उसका आपराधिक रिकॉर्ड साफ है। पासपोर्ट कार्यालय की प्रक्रिया के बाद आवेदक के चरित्र और दस्तावेजों के

सत्यापन के लिए आवेदन संबंधित क्षेत्र के सिटी कोतवाली थाने भेजा गया। सिटी कोतवाली पुलिस ने पासपोर्ट वैरिफिकेशन के दौरान आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और रापथ पत्र की जांच की। इसके साथ ही पुलिस रिकॉर्ड में आवेदक के आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की गई। जांच के दौरान रापथ पत्र में दी गई जानकारी और पुलिस रिकॉर्ड में अंतर सामने आया।पुलिस के मुताबिक भगवानदास लालवानी के खिलाफ पहले से आपराधिक प्रकरण दर्ज होना पाया गया। इसके बाद पुलिस ने रापथ पत्र में दी गई जानकारी को जांच के दायरे में लेते हुए पूरे मामले की पड़ताल की। पुलिस का कहना है कि पासपोर्ट आवेदन के दौरान आपराधिक रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी सही-सही देना आवश्यक है। जांच में रिकॉर्ड सामने आने के बाद आरोप है कि आवेदक ने पासपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया में अपने आपराधिक इतिहास को छिपाते हुए रापथ पत्र में गलत जानकारी प्रस्तुत की। मामले में पुलिस ने इस्ते शासकीय प्रक्रिया में गलत जानकारी प्रस्तुत करने से संबंधित कानूनों के उल्लंघन का मामला मानते हुए कार्रवाई की है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निश मिश्रा के मुताबिक पासपोर्ट वैरिफिकेशन के दौरान आवेदक भगवानदास लालवानी के पुलिस रिकॉर्ड की जांच की गई थी। इस दौरान उसके खिलाफ पुराना आपराधिक मामला सामने आया, जबकि आवेदक के साथ दिए गए रापथ पत्र में आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं होने की जानकारी दी गई थी।



नगर विजयादशमी उत्सव समिति के अध्यक्ष बने महेंद्र सराफ, प्रकाश तारानी संरक्षक, कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से हुआ चयन

रीवा । नगर विजयादशमी उत्सव समिति की कार्यकारिणी की बैठक मंगलवार को आयोजित हुई। समिति के संस्थापक संरक्षक सियाराम गुप्ता एवं संरक्षक वीरेंद्र गुप्ता की मौजूदगी में सर्वसम्मति से महेंद्र सराफ को समिति का अध्यक्ष और प्रकाश तारानी को संरक्षक चुना गया। अध्यक्ष और संरक्षक पद के लिए दोनों नामों पर समिति के सदस्यों ने सहमति जताई। निर्वाचन के बाद उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। अध्यक्ष महेंद्र सराफ ने सभी सदस्यों का आभार जताते हुए विजयादशमी उत्सव को भव्य और व्यवस्थित रूप से आयोजित करने के लिए मिलकर काम करने की बात कही। बैठक में आगामी विजयादशमी उत्सव के आयोजन, कार्यक्रमों की रूपरेखा और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। सदस्यों ने उत्सव को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय और बेहतर व्यवस्थाओं पर जोर दिया। बैठक में कमलेश सचदेवा, महासचिव देवेश कुमार सोनी, कोषाध्यक्ष अमित डिगवानी, प्रभात दीक्षित, प्रमोद दीक्षित, मोहित गुप्ता, सचिन डूडानी, प्रतीक पाण्डेय, अमित आदि मौजूद रहे।

वेतन विसंगति और पदोन्नति के मुद्दे

भी उठाए।- ज्ञापन में पटवारी संवर्ग की लंबित वेतन विसंगति, ग्रेड-पे, कैडर रिव्यू एवं पदोन्नति/सेवा संबंधी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया है। संघ ने कहा कि पुराने सेवा संबंधी मामलों का समाधान लंबित है, ऐसे में पटवारियों पर नई योजनाओं के अतिरिक्त तकनीकी और प्रशासनिक दायित्व डालना उचित नहीं है। संघ ने मांग की है कि लंबित सेवा संबंधी समस्याओं का स्थायी निराकरण किए बिना पटवारी संवर्ग पर नई योजनाओं का अतिरिक्त कार्यभार न डाला जाए तथा कार्य-विभाजन स्पष्ट किया जाए।

15 सितंबर से कार्यभार, दबाव बढ़ने पर शासन जिम्मेदार—संघ।- ज्ञापन में कहा गया है कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 में निष्पादक के रूप में प्रदेश का पटवारी ज्ञापन दिनांक 15 सितंबर 2026 से विरत रहेगा। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि पटवारियों पर अत्यधिक दबाव बनाया जाए।वहीं जियो टैग गिरदावरी को लेकर संघ ने अपना पुराना विरोध दोहराते हुए कहा कि जब तक जियो टैग व्यवस्था समाप्त नहीं होती, तब तक पटवारी संघ इससे संबंधित किसी कार्रवाई में सहयोग नहीं करेगा और इसे लेकर प्रश्न स्तर पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।

ज्ञापन के प्रतिनिधियों राजस्व विभाग, भू-संसाधन प्रबंधन विभाग, संभागीय एवं जिला स्तरीय अधिकारियों सहित मध्यप्रदेश पटवारी संघ के पदाधिकारियों को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

एनटीपीसी विंध्याचल ने हिंदी पखवाड़ा 2026 का शुभारंभ, राष्ट्र के लिए निर्बाध विद्युत उत्पादन के साथ राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु संकल्प

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल ने हिंदी पखवाड़ा 2026 का श्व्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल ने यह स्पष्ट किया कि उसकी प्रथम प्राथमिकता राष्ट्र के लिए निर्बाध एवं सतत विद्युत उत्पादन है, परंतु साथ ही वह भारतीय संविधान की गरिमा का सत्य अनुपालन करते हुए राजभाषा नीति के निर्धारण एवं कार्यान्वयन हेतु भी सदैव प्रतिबद्ध है। हिंदी पखवाड़ा के शुभारंभ के अवसर पर कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की हिंदी प्रतिज्ञा दिलाई तथा हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में अपना संदेश जारी किया। अपने संदेश में कार्यकारी निदेशक महोदय ने कहा कि “हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को जोड़ने का कार्य करती है।” उन्होंने कहा कि विंध्याचल परिवार अर्थात एनटीपीसी विंध्याचल परिवार एक लघु भारत के रूप में जाना जाता है। यहाँ समस्त भारत से आकर अधिकारी-कर्मचारी देश की प्रगति के लिए विद्युत उत्पादन के पुनीत कार्य में अपना योगदान देते हैं और इसी से आह्वान किया कि हम अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए दैनिक सरकारी कामकाज में अधिक से



अधिक हिंदी का प्रयोग करें और राजभाषा के नियमों-नीतियों का पालन सुनिश्चित करें। इसी क्रम में महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुसूक्षण) श्री एम. सुरेश द्वारा भी डेली प्लानिंग मीटिंग के अंतर्गत उपस्थित सभी अधिकारियों को हिंदी की शपथ दिलाई गई और उन्हें अपने दैनिक कार्यों, टिप्पणियों एवं पत्राचार में अधिक से अधिक हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 14 से 28 सितंबर 2026 तक एनटीपीसी विंध्याचल में विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

